अंक-योजना

पूरी तरह से गोपनीय

(केवल आंतरिक और प्रतिबंधित उपयोग के लिए)

सीनियर स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा**, 2024**

विषय--हिंदी (ऐच्छिक) (Q.P. कोड **29/3/1--3)**

Series S3QRP/3

<u>सामान्य निर्देश:-</u>

1	आप जानते हैं कि अभ्यर्थियों के वास्तविक एवं सही मूल्यांकन में मूल्यांकन सबसे महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। मूल्यांकन में एक छोटी-सी गलती गंभीर समस्याओं का कारण बन सकती है, जो उम्मीदवारों के भविष्य, शिक्षा-प्रणाली और शिक्षण को प्रभावित कर सकती है। गलतियों से बचने के लिए आपसे अनुरोध है कि मूल्यांकन शुरू करने से पहले स्पॉट मूल्यांकन दिशानिर्देशों को ध्यान से पढ़ें और समझें।
2	"मूल्यांकन नीति एक गोपनीय नीति है क्योंकि यह आयोजित परीक्षाओं, किए गए मूल्यांकन और कई अन्य पहलुओं की गोपनीयता से संबंधित है। इसके किसी भी तरह से जनता के बीच लीक होने से परीक्षा-प्रणाली पटरी से उतर सकती है और लाखों उम्मीदवारों के जीवन और भविष्य पर असर पड़ सकता है। इस नीति/दस्तावेज़ को किसी के साथ साझा करने, किसी पत्रिका में प्रकाशित करने और समाचार पत्र/वेबसाइट आदि में छापने पर बोर्ड और आईपीसी के विभिन्न नियमों के तहत कार्रवाई हो सकती है।'
3	मूल्यांकन अंक-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार किया जाना है। इसे अपनी व्याख्या या किसी अन्य विचार के अनुसार नहीं किया जाना चाहिए। अंक-योजना का कड़ाई से पालन किया जाना चाहिए। हालाँकि, मूल्यांकन करते समय, जो उत्तर नवीनतम जानकारी या ज्ञान पर आधारित हैं और/या नवीन हैं अथवा उनकी सत्यता का मूल्यांकन किया जा सकता है उन्हें उचित अंक दिए जा सकते हैं। योग्यता-आधारित प्रश्नों का मूल्यांकन करते समय, कृपया दिए गए उत्तर को समझने का प्रयास करें भले ही उत्तर अंक-योजना से न हो, लेकिन उम्मीदवार द्वारा सही योग्यता गिनाई गई हो, उचित अंक दिए जाने चाहिए।
4	अंक-योजना में उत्तरों के लिए केवल सुझाव-बिंदु दिए गए हैं। ये केवल दिशानिर्देशों की प्रकृति में हैं और संपूर्ण उत्तर नहीं बनाते हैं। विद्यार्थियों की अपनी अभिव्यक्ति हो सकती है और यदि अभिव्यक्ति सही है तो उसके अनुसार उचित अंक दिये जाने चाहिए।
5	मुख्य-परीक्षक को पहले दिन प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता द्वारा मूल्यांकित पहली पाँच उत्तर-पुस्तिकाओं को देखना होगा, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि मूल्यांकन अंक-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार किया गया है। यदि कोई भिन्नता हो तो विचार-विमर्श के बाद उसे शून्य किया जाए। मूल्यांकन के लिए शेष उत्तर-पुस्तिकाएँ यह सुनिश्चित करने के बाद ही दी जाएँगी कि मूल्यांकनकर्ताओं के अंकन में कोई महत्वपूर्ण भिन्नता नहीं है।
6	जहाँ भी उत्तर सही होगा, मूल्यांकनकर्ता (√) अंकित करेंगे। गलत उत्तर के लिए क्रॉस **'X'** अंकित किया जाए।

7	यदि किसी प्रश्न के कुछ भाग हैं, तो कृपया प्रत्येक भाग के लिए दाहिनी ओर अंक दें। फिर प्रश्न के विभिन्न भागों के लिए दिए गए अंकों को जोड़ दिया जाना चाहिए और बाएं हाथ के हाशिये में लिखा जाना चाहिए और घेरा बनाया जाना चाहिए। इसका सख्ती से पालन किया जाए।
8	यदि किसी प्रश्न में कोई भाग नहीं है तो बाएं हाथ के हाशिए में अंक दिए जाने चाहिए और घेरा लगाना चाहिए। इसका भी सख्ती से पालन किया जाए।
9	**यदि किसी छात्र ने अतिरिक्त प्रश्न किया है तो अधिक अंक प्राप्त उत्तर मान्य हो और कम अंक आने वाले उत्तर को 'अतिरिक्त प्रश्न'–इस नोट के साथ काट दिया जाए।**
10	किसी त्रुटि के संचयी प्रभाव के लिए कोई अंक नहीं काटा जाएगा। इसके लिए केवल एक बार दंडित किया जाना चाहिए।
11	अंकों का एक पूरा पैमाना 0 से 80 का उपयोग करना होगा। यदि उत्तर योग्य है तो कृपया पूर्ण अंक देने में संकोच न करें।
12	प्रत्येक परीक्षक को आवश्यक रूप से पूरे कार्य समय अर्थात प्रतिदिन 8 घंटे तक मूल्यांकन कार्य करना होगा तथा मुख्य विषयों में प्रतिदिन 20 उत्तर पुस्तिकाओं तथा अन्य विषयों में प्रतिदिन 25 उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करना होगा (स्पॉट गाइडलाइन्स में विवरण दिया गया है)। प्रश्न-पत्र में कम किये गये पाठ्यक्रम और प्रश्नों की संख्या।
13	सुनिश्चित करें कि आप अतीत में मूल्यांकनकर्ता द्वारा की गई निम्नलिखित सामान्य प्रकार की त्रुटियाँ न करें:- • उत्तर पुस्तिका में उत्तर या उसके किसी भाग को बिना मूल्यांकन किये छोड़ देना। • किसी उत्तर के लिए निर्धारित अंक से अधिक अंक देना। • किसी उत्तर पर दिए गए अंकों का गलत योग। • उत्तर पुस्तिका के अंदर के पन्नों से मुख्य पृष्ठ पर अंकों का गलत स्थानांतरण। • शीर्षक पृष्ठ पर प्रश्नों के अंकों का गलत योग। • शीर्षक पृष्ठ पर दो कॉलमों के अंकों का गलत योग। • गलत कुल योग। • शब्दों और अंकों में लिखे गए प्राप्तांकों का परस्पर मेल न खाना/समान न होना। • उत्तर पुस्तिका से ऑनलाइन अंक-सूची में अंकों का गलत स्थानांतरण। • उत्तरों को सही के रूप में चिह्नित किया गया, लेकिन अंक नहीं दिए गए। • उत्तर के आधे या कुछ भाग को सही और शेष को गलत चिह्नित किया गया, लेकिन कोई अंक नहीं दिया गया।
14	उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करते समय यदि उत्तर पूरी तरह से गलत पाया जाता है, तो इसे क्रॉस (X) के रूप में चिह्नित किया जाना चाहिए और शून्य (0) अंक दिए जाने चाहिए।
15	किसी भी मूल्यांकन न किए गए भाग, शीर्षक पृष्ठ पर अंक न ले जाना या उम्मीदवार द्वारा पाई गई कुल त्रुटि से मूल्यांकन कार्य में लगे सभी कर्मियों और बोर्ड की प्रतिष्ठा को नुकसान होगा। इसलिए, सभी संबंधित पक्षों की प्रतिष्ठा बनाए रखने के लिए, यह फिर से दोहराया जाता है कि निर्देशों का सावधानीपूर्वक और विवेकपूर्ण तरीके से पालन किया जाए।
16	परीक्षकों को वास्तविक मूल्यांकन शुरू करने से पहले **'स्पॉट मूल्यांकन के लिए दिशानिर्देश'** में दिए गए दिशानिर्देशों से परिचित होना चाहिए।

17	प्रत्येक परीक्षक यह भी सुनिश्चित करेगा कि सभी उत्तरों का मूल्यांकन किया गया है, अंकों को मुख पृष्ठ पर ले जाया गया है, सही ढंग से योग किया गया है और अंकों और शब्दों में लिखा गया है।
18	उम्मीदवार निर्धारित प्रसंस्करण शुल्क का भुगतान करके अनुरोध पर उत्तर पुस्तिका की फोटोकॉपी प्राप्त करने के हकदार हैं। सभी परीक्षकों/अतिरिक्त मुख्य परीक्षकों/मुख्य परीक्षकों को एक बार फिर याद दिलाया जाता है कि उन्हें यह सुनिश्चित करना होगा कि मूल्यांकन अंक-योजना में दिए गए प्रत्येक उत्तर के लिए मूल्य बिंदुओं के अनुसार सख्ती से किया गया है।

प्रश्न-पत्र कोड 29/3/1, 2, 3
अंक-योजना
हिन्दी (ऐच्छिक)

Series S3QRP/3

निर्धारित समय : 3 घंटे अधिकतम अंक : 80

क्र. सं.	प्रश्न-पत्र कोड			उत्तर-संकेत	अंक
	29/3/1 प्रश्न सं.	29/3/2 प्रश्न सं.	29/3/3 प्रश्न सं.		
1	1	2	1	**खंड-अ** **(वस्तुपरक प्रश्न)** **अपठित गद्यांश पर आधारित प्रश्न--** (i) (D) कृषि क्षेत्र और कृत्रिम बौद्धिकता (ii) (A) कृषि योग्य भूमि की कमी के कारण (iii) (C) कृषि क्षेत्र में अधिक रचनात्मकता और कुशलता अर्जित करना (iv) (D) मिट्टी का उपजाऊपन (v) (B) कृषि संबंधी विशाल संसाधनों के कारण (vi) (D) फल-सब्जियाँ (vii) (B) कृषि क्षेत्र में ए. आई. तकनीक का प्रयोग (viii) (A) कृषि क्षेत्र में होने वाली कम आय के कारण (ix) (A) कृत्रिम बुद्धिमत्ता युक्त कृषि बॉट्स की मदद से (x) (D) कथन (I) और (III) सही हैं ।	**10x1 =10**
2	2	1	2	**अपठित काव्यांश पर आधारित प्रश्न--** (i) (A) पृथ्वी के जीव-जंतुओं को (ii) (D) सूर्य द्वारा अपना स्वर्णिम प्रकाश आकाश में फैला कालिमा को दूर करना (iii) (C) जीवन रूपी मार्ग पर बढ़ने वाले यात्री को (iv) (A) अनेक बहुमूल्य रत्नों को धारण करना	**8 x 1=8**

				(v) (C) फलवती किया (vi) (B) तुमसे है कौन बड़ा, गगन-सिंधु मित्र बने (vii) (D) रचनात्मकता (viii) (C) रूढ़िवादी रीतिरिवाज	
3	**3**	**4**	**6**	**अभिव्यक्ति और माध्यम पर आधारित प्रश्न--** (i) (A) संपादक के नाम पत्र (ii) (C) 1-(i), 2-(iii), 3-(iv), 4-(ii) (iii) (D) साहित्यिक लेखन में (iv) (D) संपादक और उसकी टीम (v) (A) समाचार-पत्र /पत्रिका	**5 x 1=5**
4	**4**	**5**	**5**	**पठित काव्यांश पर आधारित प्रश्न--** (i) (B) आध्यात्मिक व सांस्कृतिक (ii) (A) पाषाण हृदय व्यक्ति के व्यवहार में भी सहजता आ गई है । (iii) (D) चेतना का संचार होना (iv) (A) बंदरों की (v) (C) भिक्षा मिलने की उम्मीद से	**5 x 1=5**
5	**5**	**6**	**4**	**पठित गद्यांश पर आधारित प्रश्न--** (i) (D) उसकी जिजीविषा (ii) (B) चट्टानों की छाती से रस खींचकर (iii) (A) जीवन को पुलकित करने वाली परिस्थितियाँ हैं । (iv) (C) जीने की इच्छा ही मनुष्य को संघर्ष करने की शक्ति प्रदान करती है। (v) (D) कथन और कारण दोनों सही हैं तथा कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।	**5 x 1=5**
6	**6**	**3**	**3**	**पूरक पाठ्यपुस्तक (अन्तराल) पर आधारित प्रश्न--** (i) (A) सूरदास के मन में राख के ढेर में पैसों की पोटली दबी होने के (ii) (D) पैसे कमाने के लिए परिश्रम नहीं किया था । (iii) (A) कर्मठता (29/3/1) (B) कम तौलना (29/3/2) (A) अपराध बोध (29/3/3) (D) संवेदनशीलता (29/3/3) (29/3/3 हेतु उपर्युक्त दो में से कोई एक विकल्प स्वीकार्य)	**7 x 1=7**

				(iv) (A) वे दूध कटहा हो गए थे । (v) (D) माँ द्वारा कराए गए दुग्ध-पान से (vi) (D) भरपूर फसल होने से त्योहार खुशी से मनाओ । (vii) (C) कथन तथा कारण दोनों सही हैं, किंतु कारण, कथन की सही व्याख्या नहीं करता है ।	
7	**7**	**7**	**7**	**खंड –ब** **(वर्णनात्मक प्रश्न)** **किसी एक विषय पर 100 शब्दों में रचनात्मक लेखन--** विषय-वस्तु : 3 अंक भाषा : 1 अंक प्रस्तुति : 1 अंक	**5**
8	**8**	**9**	**9**	**(अभिव्यक्ति और माध्यम पुस्तक पर आधारित)** **किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में अपेक्षित --** (क) (1+2) • कहानी की विभिन्न परिस्थितियों में मन-मस्तिष्क में उठने वाला वैचारिक मंथन, दो पात्रों का आपसी मतभेद, किसी काम में आने वाली बाधा ही द्वंद्व **महत्त्व** • द्वंद्व द्वारा कथानक को गति प्रदान करना • द्वंद्व के कारण कहानी में रोचकता • द्वंद्व के बिंदु जितने स्पष्ट, कहानी उतनी ही सफल (ख)• पहला मत –कविकर्म जन्मजात प्रतिभा, किसी नियम, सिद्धांत या प्रशिक्षण द्वारा कविता लेखन सिखाना संभव नहीं क्योंकि कविता का संबंध अनुभूतिजन्य अभिव्यक्ति से • दूसरा मत – अन्य कलाओं की भाँति कविता लेखन की कला हेतु शब्दों का चयन, उनका गठन, भावानुसार लयात्मक अनुशासन प्रशिक्षण द्वारा निखारना संभव (ग)• नाटक कहानी या उपन्यास की तरह वर्णित विधा नहीं • नाटक में मौन, संक्षिप्त और सांकेतिक भाषा का महत्त्व • वर्णित भाषा से अधिक मौन में व्यंजनात्मकता व क्रियात्मकता अधिक	**2 x 3=6**
9	**9**	**8**	**8**	**प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में अपेक्षित --**	**2 x 3=6**

				(क)• फ़ीचर एक आत्मनिष्ठ, सृजनात्मक, सुव्यवस्थित लेखन जो शिक्षित करने, सूचना देने और मनोरंजन करने का काम करता है जबकि कार्यवाही-विवरण किसी बैठक की कार्यवाही का विस्तृत ब्यौरा प्रस्तुत करता है। • फीचर कार्यवाही-विवरण की तरह तथ्य प्रधान नहीं • फीचर का कोई निश्चित प्रारूप नहीं जबकि कार्यवाही-विवरण का निश्चित प्रारूप (ख)• सूचना, मनोरंजन, ज्ञान, व्यक्तिगत और सार्वजनिक संवादों के आदान-प्रदान का माध्यम होने के कारण • चंद मिनटों में विश्वव्यापी संजाल के भीतर से अपनी आवश्यकता की सामग्री उपलब्ध कराने के कारण बढ़ती निर्भरता • दुनियाभर की चर्चा-परिचर्चा में शामिल हो सकने की क्षमता के कारण	
10	**10**	**10**		**पद्य खण्ड पर आधारित किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में अपेक्षित--** (क)• मातृविहीन कन्या शकुंतला का पालन-पोषण एवम विवाह ऋषि कण्व द्वारा संपन्न करना • उसी प्रकार मातृविहीन सरोज का पिता द्वारा विवाह आदि रस्मों का निभाया जाना (ख)• मन के भीतर की ऊब (उकताहट), खीझ (झुंझलाहट) सृजन में बाधक • कवि सृजन का आकांक्षी इसलिए कवि द्वारा ऊब और खीझ को तोड़ने की बात करना (ग)• राधा की विरह व्यथा का और अधिक तीव्र हो जाना • प्राकृतिक उपादानों (फूलों का वन, कोयल और भँवरों)को देखकर अपनी आँखें और कान बंद कर लेना (क)• अत्यंत सादगीपूर्ण तरीके से संपन्न • पारंपरिक विवाहों की तरह आत्मीय और स्वजनों को आमंत्रित नहीं किया जाना • विवाह-गीत भी न गाये जाना • माँ द्वारा संपन्न किए जाने वाले मांगलिक कार्य पिता द्वारा किए जाना (ख)• कवि सृजन का अभिलाषी, तोड़ना सृजन के लिए आवश्यक	**2 x 2=4**

			10	• सृजन हेतु भूमि को तैयार करने के लिए चट्टानें (सामाजिक कुरीतियाँ और रूढ़ियाँ), ऊसर और बंजर (मन की ऊब और खीझ) को तोड़ने का आह्वान • विकास के लिए सृजन आवश्यक (ग)• प्रेम ब्रह्म आनंद के समान • प्रेम में तृप्ति संभव नहीं • प्रेम में अनुभूति और सम्पूर्णता की अभिलाषा • प्रेम मूर्त नहीं अमूर्त, जिसमें क्षण-प्रतिक्षण नवीनता की अनुभूति (क)• पुत्री सरोज के रंग-रूप में पत्नी से साम्य • अपने विवाह के समय जो रूप-सौन्दर्य उनकी पत्नी का था वही सरोज में परिलक्षित होना (ख)• सृजन हेतु भूमि को तैयार करने के लिए चट्टानें (सामाजिक कुरीतियाँ और रूढ़ियाँ), ऊसर और बंजर (मन की ऊब और खीझ) को तोड़ने का आह्वान • कवि सृजन का अभिलाषी, तोड़ना सृजन के लिए आवश्यक • विकास के लिए सृजन आवश्यक (ग)• प्रेम ब्रह्म आनंद के समान • प्रेम में प्रतिक्षण मिलने की उत्कट चाह के कारण नेत्रों की तृप्ति संभव नहीं • प्रेम में अनुभूति और सम्पूर्णता की अभिलाषा • प्रेम मूर्त नहीं अमूर्त, जिसमें क्षण-प्रतिक्षण नवीनता की अनुभूति	
11	**11**	**11**	**11**	**किसी एक काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या --** संदर्भ – 1 अंक (कवि और कविता का नाम) प्रसंग – 1 अंक (पूर्वापर संबंध) व्याख्या – 3 अंक विशेष – 1 अंक कवि – सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' कविता – यह दीप अकेला **अथवा** कवि—मलिक मुहम्मद जायसी कविता – बारहमासा	**6**
12	**12**			**गद्य खंड पर आधारित दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में अपेक्षित--** (क)• बड़े भैया की मृत्यु के बाद छोटे भाइयों द्वारा संपत्ति का बँटवारा	**2 x 2=4**

				• बड़ी बहुरिया के शरीर पर धारण किए जाने वाले आभूषणों के साथ-साथ बनारसी साड़ी तक के भी टुकड़े-टुकड़े करके बँटवारा (ख)• सींग निकलना – व्यवस्था से अलग रहना, बनी बनाई लीक से अलग सोचना और चलना • लेखक अपने समाज की व्यवस्था से दु:खी था क्योंकि वहाँ केवल स्वार्थ का बोलबाला • सत्ताधारी वर्ग द्वारा पहुँचाए जाने वाले नुकसान से स्वयं को बचाने के लिए (ग) • जो खर्च अपने और अपनों की मंगलकामना के लिए किए जाते हैं वे कष्टदायी न लगना • हर की पौड़ी पर आने वाले भक्त भी अपने और अपनों की मंगल-कामना के लिए वहाँ पूजा-अर्चना और चढ़ावे के रूप में धन खर्च कर रहे थे इसलिए उन्हें कोई मलाल न होना • ईश्वर के प्रति आस्था और श्रद्धा भाव के कारण किये गए खर्च सुखद	
		13		(क) • मुक्त उत्तर (छात्रों द्वारा तर्कपूर्ण दिए उत्तर स्वीकार्य) (ख) **समानता** • शेर का मुँह और रोजगार का दफ्तर दोनों ही लोगों को सुंदर, सुखद भविष्य का आश्वासन देता है। **भिन्नता** • शेर के मुँह में जाने पर अस्तित्व समाप्त रोजगार के दफ्तर से वापस लौटकर आने की सुविधा (ग)• मंसादेवी के प्रकोष्ठ और बाहर पूजा की सामग्री, खान-पान की सामग्री, प्रसाद की थैलियाँ, रंगबिरंगी बिंदियाँ • रुद्राक्ष की मालाएँ (असली) नकली साबित करने वाले को पाँच सौ इनाम • जलेबी, पूरी, कचौड़ी की दुकान	
			12	(क) **पक्ष** • बड़ी बहुरिया को गाँव की मान-मर्यादा से जोड़कर देखना • बड़ी बहुरिया के गाँव से चले जाने पर अपने गाँव की बदनामी का भय	

				• बड़ी बहुरिया के प्रति कुछ न कर पाने की विवशता का अपराध बोध • बड़ी बहुरिया के दुःख से समानुभूति **विपक्ष** • संवदिया के रूप में उसे बड़ी बहुरिया का संवाद उसकी माँ को सुनाना चाहिए था। • बड़ी बहुरिया की देखभाल का निर्णय जो बाद में लिया, वह पहले ही लिया जाना चाहिए था। (विद्यार्थी पक्ष अथवा विपक्ष में लिखने के लिए स्वतन्त्र हैं।) (ख) • छद्म प्रगति और विकास के बहाने राजा का उत्पादन के सभी साधनों पर अपनी पकड़ मजबूत बनाना • जनता को एकजुट होने से रोकना, उन्हें भुलावे में रखना • राजा को निरंकुश बने रहने के लिए बहरी, गूँगी और अंधी प्रजा पसंद (ग) • हर की पौड़ी पर गंगा में स्नान करने वाले श्रद्धालुओं के चेहरे पर आध्यात्मिक सुख की अनुभूति का भाव • वहाँ श्रद्धालुओं द्वारा पर्यटन की दृष्टि से, मनोरंजन की दृष्टि से नहीं बल्कि मनोकामना की पूर्ति / मोक्ष प्राप्ति/आस्था-श्रद्धाभाव हेतु गंगा में डुबकी लगाना	
13	**13**	**12**		**किसी एक गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या --** संदर्भ – 1 अंक (पाठ, लेखक का नाम) प्रसंग – 1 अंक (पूर्वापर संबंध) व्याख्या – 3 अंक विशेष – 1 अंक (क) पाठ – जहाँ कोई वापसी नहीं लेखक – निर्मल वर्मा **अथवा** (ख) पाठ—सुमिरिनी के मनके (ढ़ेले चुन लो) लेखक – पंडित चंद्रधर शर्मा गुलेरी (क) पाठ—सुमिरिनी के मनके (घड़ी के पुर्जे) लेखक – पंडित चंद्रधर शर्मा गुलेरी **अथवा**	**6**

			13	(ख) पाठ – जहाँ कोई वापसी नहीं लेखक – निर्मल वर्मा (क) पाठ – जहाँ कोई वापसी नहीं लेखक – निर्मल वर्मा **अथवा** (ख) पाठ—सुमिरिनी के मनके (घड़ी के पुर्जे) लेखक – पंडित चंद्रधर शर्मा गुलेरी	
14	**14**	**14**		**किसी एक प्रश्न का उत्तर लगभग 60 शब्दों में अपेक्षित--** (क) (1+2) • देश के अन्य भागों की स्थिति भी मालवा से अलग नहीं • कहीं अनावृष्टि, कहीं अतिवृष्टि • बारिश के चक्र का बिगड़ना **कारण** • औद्योगीकरण के दुष्प्रभाव • वन्य प्रदेश का कटाव • जलवायु-परिवर्तन **अथवा** (ख)• फूल औषधीय गुणों से भी परिपूर्ण • फूलों का ही फल-सब्जियों में परिवर्तित होकर खाद्य-सामग्री प्रदान करना • फूलों का प्रसाधन-सामग्री के रूप में प्रयोग (क) (1+2) • वर्षा-जल का संचयन **क्यों** • जल-संरक्षण से पानी संबंधी समस्या से भविष्य सुरक्षित • पानी की विश्वव्यापी समस्या से आम आदमी को जल-संचयन और संरक्षण का संदेश देकर जागरूक करना **अथवा** (ख)• स्वयं के भोगे यथार्थ में माँ, गाँव और आसपास के प्राकृतिक परिवेश का वर्णन • अकाल के समय प्राकृतिक संपदा के रूप में खाई जाने वाली कमल-ककड़ी, बाढ़ से बदहाल गाँव की तकलीफें, विभिन्न प्रकार के साँप-बिच्छुओं, औषधीय वनस्पतियों का उल्लेख	**3**

			14	• वर्षा होने के सौन्दर्य, वर्षा के बाद के नैसर्गिक सौन्दर्य की प्रस्तुति • विभिन्न प्रकार के फूलों, चाँदनी रात के सौन्दर्य की प्राकृतिक सुषमा का भी वर्णन (क)• विकासशील देशों का अमेरिका की खाऊ-उजाड़ू जीवन-पद्धति से प्रभावित हो उसे अपनाना • औद्योगिक सभ्यता को बढ़ावा • प्रकृति का मनमाना दोहन • प्रकृति और मनुष्य के बीच का संतुलन बिगड़ना • धरती का तापमान बढ़ना • प्राकृतिक संसाधनों की कमी **अथवा** (ख) (1+2) • उस औरत की याद आना जिसे वह दस वर्ष की अवस्था में अपने ही गाँव में मिले **क्यों** • नायिका की विरह-वेदना का मार्मिक वर्णन • ऐसा ही अकेलापन, इंतजार, आँखों की आर्द्रता बिसनाथ को अपने गाँव की औरत के जीवन में नजर आना • उसका कहा गया कथन – "जाइ देव बिसनाथ बाबू, उनसे तो हमार कब्बों ठीक से भेंटौ नाहीं भई।" लेखक के अवचेतन में बैठ जाना	